Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to develop a monitoring system and take action against related officers for addiction by medical stores.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर) : सभापति महोदय, धन्यवाद । महोदय, मैं आपके माध्यम से राजस्थान सहित देश में बढ़ते नशे के कारोबार से उत्पन्न स्थिति के संबंध में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा । दुनिया भर में नशे की वजह से तकरीबन दो लाख मौतें हर साल होती हैं । भारत में पिछले तीन सालों में ड्रग्स का बाजार 455 फीसदी तक बढ़ गया है, जो चिंतित करने वाला आंकड़ा है ।

सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय अध्यक्ष जी और सरकार से भी नियम-193 के तहत चर्चा के लिए बढ़ते हुए नशे की प्रवृत्ति को लेकर आग्रह रहेगा । आज नशे के कारण यह हालात हो गए हैं कि हम जब गांवों में या शहरी क्षेत्रों में जाते हैं, तो नौजवान बेराजगारी से तंग आकर या दूसरे मामलों से तंग आकर नशे के आदि हो रहे हैं । …(व्यवधान) मैं बस एक मिनट के अंदर अपनी बात समाप्त करूंगा । एक रिपोर्ट के अनुसार देश के 2.1 प्रतिशत लोग गैर-कानूनी नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, जिसमें मिजोरम पहले, पंजाब दूसरे और दिल्ली तीसरे नंबर पर है । 44 प्रतिशत ड्रग एडिक्ट्स नशा छोड़ने की कोशिश करते हैं, लेकिन इनमें से केवल 25 प्रतिशत को ही इलाज मिल पाता है । ये लोग मेडिकल स्टोर से नशीली दवाइयां ले लेते हैं और उनसे नशा करते हैं ।

माननीय सभापति: अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए ।

… (व्यवधान)

श्री हनुमान बेनीवाल: सभापति महोदय, मैं बस एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूं, हम रात को एक-एक बजे तक बैठने वाले लोग हैं । मैं बस आधे मिनट में समाप्त करता हूं । … (व्यवधान)

मेरा सरकार से निवेदन है कि मेडिकल स्टोर्स के लिए ऐसा मॉनिटरिंग सिस्टम बनाएं कि अगर मेडिकल स्टोर्स पर नशीली दवाइयां बेची जाएं, तो वहां के संबंधित अफसर के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए । … (व्यवधान)

देश में ड्रग्स का बढ़ता कल्चर गंभीर समस्या बन सकता है । कोकीन, अफीम, डेंडराइट, स्मैक, एमडी और इस तरह की नशीली दवाओं का नशा करने के कारण युवाओं की मानसिक स्थिति बिगड़ती जा रही है । ... (व्यवधान)

मेरा निवेदन है कि सरकार इस ओर विशेष ध्यान दे क्योंकि नौजवान देश की रीढ़ है । अगर यह नौजवान ही नशे की प्रवृत्ति से कमजोर हो जाएगा, तो देश कैसे आगे बढ़ेगा? इस कारण नशे को रोका जाए और इस मामले पर कठोर कानून बनाया जाए । धन्यवाद ।